भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3167
11.03.2026 को उत्तर देने के लिए

देश में बेरोजगारी दर में वृद्धि

3167. श्री टी. एम. सेल्वागणपतिः

क्या सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अनुसार, जनवरी, 2026 में देश में ग्रामीण और शहरी- दोनों क्षेत्रों में बेरोजगारी बढ़ी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या उक्त सर्वेक्षण में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में श्रम बल सहभागिता दर और श्रमिक जनसंख्या अनुपात में भी कमी पाई गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); योजना मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और संस्कृति मंत्रालय में राज्य मंत्री (राव इंद्रजीत सिंह)

(क) और (ख): राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा आयोजित आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के आधार पर, अखिल भारतीय स्तर पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के लिए वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में श्रम बल सहभागिता दर (एलएफ़पीआर), श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) और बेरोजगारी दर (यूआर) के अखिल भारतीय स्तर पर दिसम्बर, 2025 और नवम्बर, 2025 की तुलना में जनवरी, 2026 के लिए मासिक अनुमान नीचे तालिका में प्रस्तुत किए गए हैं:

अखिल भारतीय स्तर पर सीडब्ल्यूएस में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के लिए श्रम बल संकेतकों (प्रतिशत में) का अनुमान।

संकेतक	जनवरी, 2026		दिसम्बर, 2025		नवम्बर, 2025	
	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी	ग्रामीण	शहरी
एलएफपीआर	58.7	50.3	59.0	50.2	58.6	50.4
डब्ल्यूपीआर	56.2	46.8	56.7	46.8	56.3	47.1
यूआर	4.2	7.0	3.9	6.7	3.9	6.5

स्रोत: मासिक बुलेटिन, पीएलएफएस, जनवरी 2026
मासिक बुलेटिन, पीएलएफएस, दिसम्बर 2025
मासिक बुलेटिन, पीएलएफएस, नवम्बर 2025

जनवरी 2026 में एलएफपीआर और डब्ल्यूपीआर में गिरावट और यूआर में वृद्धि मुख्य रूप से ग्रामीण प्रेरित है, जिसमें मौसमी कारक और फसल कटाई के बाद की सुस्ती प्रमुख भूमिका निभा रही है। निर्माण, कृषि, संबद्ध कार्य, परिवहन, लघु व्यापार आदि जैसी कई गतिविधियां सर्दियों में धीमी हो जाती हैं।

*****